प्रेस विज्ञप्ति

दुर्घटनाओं एवं आपदाओं से उत्पन्न गंभीर रूप से घायल मरीज़ो के आवश्यक उपचार एवं प्रबंधन हेतु मध्यप्रदेश के सभी चिकित्सा महाविद्यालयों में ट्रामा यूनिट की स्थापना

मध्यप्रदेश में सड़क यातायात दुर्घटनाओं के कारण विगत वर्ष 2015 में प्रदेश में लगभग 9,314 मौते हुई। यह क्षति कम की जा सकती थी, यदि मरीजों को "स्वर्णिम घंटे" (छः घंटे) के अंदर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो पाती। "स्वर्णिम घंटे" पीड़ित व्यक्ति के लिये जीवन दायक साबित होती है। दुर्घटना ग्रसित मरीज़ को शीघ्र उपचार उपलब्ध कराने हेतु ट्रामा यूनिट की स्थापना की गई है।

पूर्व में भी ट्रामा यूनिट मध्यप्रदेश में संचालित है, किन्तु दुर्घटनाओं की वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुये भारत सरकार की सहायता से सभी ट्रामा यूनिटस को लेवल–1 अथवा लेवल–2 में विकसित किया जा रहा है। ट्रामा यूनिट के पांच स्तर होते है, जिसमें पहला स्तर (लेवल–1) सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। मध्यप्रदेश में लेवल–1 ट्रामा यूनिट की स्थापना गजरा राजा चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर मे 6.6 करोड़ रूपये की लागत से की जा रही है। इस यूनिट मे न्यूरो, ओरल एण्ड मेक्जेलोफेशियल, सर्जन जैसे सुपर स्पेशलिस्ट के साथ अस्थिरोग, सामान्य शल्य चिकित्सक, एनेस्थेटिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट 24 घंटे उपस्थित रहेगे। इसके साथ ही इस फेसिलिटी में एक्स–रे, अल्ट्रासोनोग्रॉफी, सी.टी.स्केन, ब्लड गैस एनालाईजर, वेंटिलेटर, जनरल सर्जरी ऑपरेशन के उपकरण, न्यूरोसर्जरी के ऑपरेशन के उपकरण, 24 घंटे ब्लड बैंक एवं एम्बूलेंस की सेवायें रहगी।

अन्य चिकित्सा महाविद्यालय (भोपाल, इंदौर, जबलपुर) में भी लेवल–1 ट्रामा यूनिट की स्थापना की कार्यवाही की जा रही है तथा चिकित्सा महाविद्यालय रीवा एवं सागर का लेवल–2 केयर फेसिलिटी में उन्नयन करने का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया है। कालान्तर में इन सभी फेसिलिटी को लेवल–1 में उन्नत किया जावेगा ।

अधिकांश समय मेडिकल कॉलेजो से संबंद्व अस्पतालो के विभिन्न विभागो में भारी संख्या मे मरीजों के भर्ती होने से, दुर्घटना ग्रसित मरीजों को चिकित्सीय सुविधा देना कठिन हो जाता था। इस कारण दुर्घटना मे गंभीर रूप से घायल मरीज एवं अपनी ऑपरेशन का इंतजार कर रहा मरीज दोनों के चिकित्सा प्रबंधन में अस्पताल के द्वारा कमी रह जाती थी। ट्रामा यूनिट की स्थापना से यह कमी दूर की जा सकेगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग के इस पहल से लाखों लोग लभांवित होगे।